Naidunia

Army recruitment rally started in Dhar, 3200 youth arrived

धार। विपुल रेगे

मंगलवार की रात जब धार शहर सो रहा था, ठीक उसी समय जिले के 4 हजार से अधिक नौजवान अपनी जिंदगी की अहम दौड़ लगाने की तैयारी कर रहे थे। सेना भर्ती रैली के पहले दिन पीजी कॉलेज मैदान में धार जिले के युवाओं ने दौड़ लगाकर भारतीय सेना में शामिल होने के लिए अपनी दावेदारी पेश की।

मंगलवार को जैसे ही शाम ढलने लगी थी पीजी कॉलेज के आसपास सरगर्मी बढ़ गई थी। रात होते-होते हजारों युवा सेना भर्ती स्थल पर पहुंच चुके थे। जिस तरह का माहौल भर्ती स्थल पर दिखाई दिया उससे यह साफ हो गया कि धार जिले के युवाओं में भारतीय सेना में शामिल होने का जुनून पहले से ज्यादा बढ़ता जा रहा है।

भर्ती में सभी कुछ सेना के तयशुदा कार्यक्रम के मुताबिक चला। रात 11.30 के बाद उद्घोषणा में युवाओं को तैयार रहने के लिए कहा गया। युवाओं में उत्साह इतना था कि मैदान में जाने से पहले कई प्रतियोगी मैदान पर अभ्यास करते दिखाई दिए। प्रतियोगियों के साथ उनके मित्र और परिजन भी आए थे। जिन प्रतियोगियों को दौड़ के लिए चुन लिया गया था, उनके दोस्त सड़क से खड़े होकर उत्साह बढ़ाते रहे।

पांच पदों के लिए हुई भर्ती

सेना भर्ती में पांच पदों के लिए आवेदन लिए गए हैं। जनरल ड्यूटी, ट्रेडमेन, तकनीकी पद, नर्सिंग और क्लर्क के लिए अभ्यर्थी की ऊंचाई का मापदंड भी अलग रखा गया है। हर प्रतियोगी की ऊंचाई देखने से पूर्व अधिकारी उसके कागज देख रहे थे ताकि किसी तरह की कोई गलती न हो।

प्रशासन के काम की तारीफ

सेना के अधिकारियों का कहना था कि प्रशासन के जबर्दस्त इंतजामों के चलते हमें अपना काम करने में परेशानी नहीं हुई। पीजी कॉलेज के बाहर भी पुलिस का तगड़ा इंतजाम था। किसी को भी कॉलेज की सीमा के भीतर रुकने नहीं दिया जा रहा था। हालांकि अपने दोस्तों का उत्साह बढ़ाने के लिए सड़क पर जमा हुए लोगों को हटाने में पुलिस को भी काफी परेशानी हुई।

कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

बुधवार की सुबह दौड़ लगाने वाले प्रतियोगियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कलेक्टर श्रीमन शुक्ला और सिटी मजिस्ट्रेट बिहारी सिंह भी सांई सेंटर पहुंचे। कलेक्टर ने यहां एक समूह को हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत करवाई।

ऐसे हुई शुरुआत

रात 12.25 बजे : सभी प्रतियोगियों को लाइनअप करने का आदेश लाउड स्पीकर पर गूंजने लगा। कहा जा रहा था कि ठीक 2 बजे गेट बंद कर दिया जाएगा। जीडी और ट्रेड वालों को अलग-अलग बैठाया गया। कीचड़ से भरे मैदान में प्रतियोगियों को बैठाया गया।

रात 1.50 बजे : प्रतियोगियों को एंट्री देना शुरू किया गया। लंबाई जांची गई और एडमिट कार्ड के बारकोडिंग की जांच की गई। जिन प्रतियोगियों के बारकोड स्केन नहीं हो पाए उनके कागजों की मैन्युअली जांच की गई। इस प्री चेकिंग राउंड में वे प्रतियोगी बाहर हो गए, जिनकी लंबाई मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

रात 2.42 बजे : लगभग 1500 प्रतियोगी मैदान में प्रवेश कर चुके थे, जो अनुशासन भंग करता उसे फौजी अफसरों की फटकार खानी पड़ती। जो लाइन में नहीं चल रहा था उसे फटकार मिल रही थी। स्पष्ट था कि यहां हर प्रक्रिया अनुशासन में की जा रही थी।

रात 3.30 बजे: सारे प्रतियोगियों को सांई सेंटर वाले मार्ग के सामने बैठा दिया गया। वेरिफिकेशन के बाद इन्हें दो घंटे का आराम दिया गया। इस बीच कई प्रतियोगी फौजी अफसरों से दौड़ने के टिप्स मांगते देखे गए। हालांकि अफसर हंसकर यही कहते रहे कि तुममें दम होना चाहिए यही टिप्स है।

सुबह 6.20 बजे : जीडी पद के प्रतियोगियों की क्षमता परखने के लिए उन्हें सांई सेंटर में तैयार ट्रैक पर लाया गया। 200 प्रतियोगियों के एक-एक ग्रुप को लाकर दौड़ लगवाई गई। 1.6 किमी की यह दौड़ चार चक्करों में पूरी करनी थी। कुल 16 ग्रुप के 3200 प्रतियोगियों का दमखम परखा गया। हालांकि दौड़ इतनी कठिन थी कि कुछ प्रतियोगी तो दूसरे ही राउंड में बाहर हो गए।

रात 8.30 बजे: चुने हुए प्रतियोगियों को चयन की अगली प्रक्रिया के लिए साई सेंटर के भीतर बने कैंप में ले जाया गया। यहां फिर से फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया। ऊंचाई नापी गई, बीम रेस्ट करवाकर देखा गया और सीने को नाप कर देखा गया। इसके बाद हाई जंप का राउंड भी हुआ। इसके अलावा प्रतियोगी का बैलेंस देखने के लिए उन्हें 4 इंच की पट्टी पर चलवाकर भी देखा गया।

अब देवास और इंदौर-महू की बारी

बुधवार को धार जिले के युवाओं ने दम-खम दिखाया वहीं गुरुवार को देवास जिले की बारी है। शुक्रवार को इंदौर-महू के युवाओं को परखा जाएगा।